गोलालारीय समाज का मुखपत्र

golalariya.darshan@gmail.com

गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –

www.golalariya.com

मासिक

गोलालारीय

दर्शन

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

RNI No. MPHIN/2008/26873

No. MP/ICD/1252/2015-2017 सेवा में,

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 7 अंक : 7 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 मई 2016 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

अद्‌भुत महोत्सव – पाषाण से परमात्मा बनाने का

अर्चना जैन, इन्दौर । इन्दौर के पूर्वी क्षेत्र में स्थित उदय नगर में नवनिर्मित मन्दिर में भव्य पंचकल्याणक पाषाण से निर्मित भगवान (1008 श्री मूलनायक चंद्रप्रभु एवं 1008 श्री अभिनन्दननाथ भगवान एवं कई क्षेत्रों से आई प्रतिमाओं सहित) 17 से 23 अप्रैल तक 108 मुनिश्री समयसागर जी महाराज ससंघ एवं 105 आर्यिका आदर्शमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में भव्य पंचकल्याणक आयोजित हुआ । आयोजन का मुख्य निर्देशन प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. विनय भैया एवं सह प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. सुनील भैयाजी ने कुशलता पूर्वक किया । कार्यक्रम का शुभारम्भ 17 अप्रैल को प्रात: घटयात्रा के साथ हुआ । घटयात्रा उदय नगर से प्रारम्भ होकर कनाड़िया रोड़ व गोयल नगर मंदिर होते हुये उदय नगर पहुँची । विभिन्न क्षेत्रों के महिला मण्डल और बालिका मंडल ने अपनी निर्धारित वेशभूषा के साथ दिव्यघोष से उत्साह पूर्वक घटयात्रा की शोभा बढ़ाई । गोयल नगर से 1008 श्री शांतिनाथ भगवान की प्रतिमा भी जुलूस के साथ उदय नगर मंदिर पहुँची । कार्यक्रम का आरम्भ ध्वजारोहण के साथ हुआ । ऐतिहासिक पंचकल्याणक में नगर व बुंदेलखंड के विभिन्न नगरों से पधारें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, लगभग 1008 इन्द्र-इन्द्राणियों के जोड़े इस कार्यक्रम में शामिल हुये । प्रतिदिन नित्य नियम पूजा, मुनिश्री व माताजी के प्रवचन फिर आहारचर्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 18 अप्रैल को पात्र शुद्धि, सकलीकरण एवं याग मण्डल विधान हुआ । दोपहर में भी मुनिश्री समयसागरजी व आर्यिका माताजी के प्रवचनों का लाभ भी जनसाधारण को मिला । शाम को अन्य कार्यक्रमों के साथ इन्द्रसभा का मंचन हुआ। अगले दिन मुख्य कार्यक्रम में माता मरुदेवी की गोद भराई का अभूतपूर्व कार्यक्रम हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ । सायंकालीन आरती पश्चात महाराजा नाभिराय के दरबार, माता के 16 स्वप्नों का फल आदि का प्रभावपूर्ण मंचन हुआ । 19 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर भव्य शोभा यात्रा हर्षोल्लासपूर्वक निकाली गयी । 20 अप्रैल को प्रात: 5.16 मिनट पर तीर्थंकर बालक का जन्म हुआ, हजारों की संख्या में श्रद्धालु समय पूर्व पांडाल में आ गये थे, सभी ने जन्म कल्याणक की खुशियां मनाई । सौधर्म इन्द्र द्वारा तीर्थंकर बालक को विशाल जुलूस के रुप में पाण्डुकशिला पर ले जाकर अभिषेक करना, शचि इन्द्राणी द्वारा बालक को सजाना, मंगल गीत गाना आदि क्रियाएं भाव विभोर कर देने वाली थी । शाम को पलना झुलाना, बाल क्रीड़ा देखकर लगा हम चतुर्थ काल में ही पहुँच गये है, जहां साक्षात प्रभु का जन्म हुआ । 21 अप्रैल को नित्य पूजा पश्चात दोपहर को तीर्थंकर कुमार का राज्याभिषेक, महामण्डलेश्वर राजा द्वारा श्री आदिनाथ की अधीनता स्वीकारते हुये भेंट लाना, राजा द्वारा असि, मसि, कृषि आदि षट्‌कर्मों का उपदेश देना, सुखपूर्वक

शेष... पृष्ठ 4 पर

श्री 1008 सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव संपन्न

सत्येन्द्र जैन, अहमदाबाद । गुजरात की धर्मप्राण महानगरी अहमदाबाद के रामेश्वर पार्क में 17 से 22 अप्रैल तक प्रथम बार मांगलिक, अद्भुत, अलौकिक भवन चतुर्मुखी समवशरण एवं इन्द्र मानस्तंभ सहित पंचकल्याणक महोत्सव पूज्य गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महाराज के परम शिष्य प्रखर वक्ता मुनि श्री 108 विश्रुत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री विश्वाससागरजी महाराज ससंघ के पावन प्रेरणा के साथ साआनंद संपन्न हुआ । पंचकल्याणक में अद्भुत श्री 1008 सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ स्वामी, 1008 आदिनाथ भगवान, 1008 नेमिनाथ भगवान, 1008 मुनिसुव्रत भगवान, 1008 महावीर स्वामी भगवान एवं भव्य अलौकिक इंद्र मानस्तंभ की भव्य रचना को विराजमान किया गया, जिन शासन की मंगलमय प्रभावना देखकर सभी भाव विभोर हो गये । इस महामहोत्सव के अपूर्व अवसर पर भगवान के साक्षात पंवकल्याणक को निहार कर समस्त जैन समाज ने अपने जीवन को सफल किया । पंचकल्याणक की प्रतिष्ठा संहिता सूरी प्रतिष्ठा तिलक श्री पंडित विनोद कुमार एवं श्री पंडित सनतकुमारजी रजवास सागर के द्वारा की गई । प्रतिष्ठा में बड़ौत से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्री डॉ. श्रेयांस कुमार जी का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ । 17 को ध्वजारोहण, 18 को गर्भ कल्याणक, 19 को जन्म कल्याणक, 20 को तप कल्याणक, 21 को ज्ञान कल्याणक एवं 22 को मोक्ष कल्याणक का आयोजन हुआ ।

प्रतिष्ठा में दिल्ली से पधारे मनोज शर्मा के सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कमठ का उपसर्ग' व 'कन्या भ्रूण हत्या' इत्यादि कार्यक्रम से समाज को मंत्रमुग्ध किया गया । संगीतकार हेमंत कुमार भोपाल वालो ने अपने अंदाज में लोगो को धर्म ध्यान में तल्लीन कर दिया ।

19 को पंचकल्याणक महोत्सव में पार्श्वनाथ भगवान का जन्म कल्याणक एवं महावीर जयन्ती दोनों कार्यक्रम का आनंद अहमदाबाद की जैन समाज ने लिया । जिसमें 10000 से भी अधिक जैन समाजजन एकत्रित हुए एवं आस पास के कई क्षेत्रों के मंदिर से भव्य झांकी कार्यक्रम स्थल के पंडाल

शेष... पृष्ठ 4 पर

हमारी सदैव यही भावना है कि हम श्रीजी, आचार्यश्री व मुनिराजजी के फोटो प्रकाशित न करे ताकि हमारे इस माध्यम से हमारे पूज्यों की किसी भी तरह की अवमानना न हो, यदि इस प्रयास में कोई त्रुटि रह जाती है तो हम आपसे क्षमाप्रार्थी है ।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है । संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है ।